ISSN (Online): 3108-1789

International Journal of Global Innovations and Modern Research

Volume: 1, Issue No: 1, (January-June) 2026

Published by
BOOKS ARCADE
F-10/24, 2nd Floor, Krishna Nagar,
Near Vijay Chowk, Delhi-110051 (INDIA)
E-mail: editor@ijgimr.com
Website: www.ijgimr.com

IJGIMR

IJGIMR | International Journal of Global Innovations and Modern Research
ISSN (Online): 3108-1789 Volume: 1, Issue No: 1, (January-June) 2026

कृषि की नवीन प्रविधियों का ग्रामीण विकास में योगदानः भादरा तहसील ''हनुमानगढ़ जिला'' का एक भौगोलिक अध्ययन

गार्गी सिंह[1], डॉ. संपत राम[2]

[1]शोधार्थी (भूगोल विभाग), टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

[2]सहायक आचार्य (भूगोल विभाग), टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र हनुमानगढ़ जिले की भादरा तहसील में कृषि क्षेत्र में आए तकनीकी बदलावों और उनके ग्रामीण विकास पर प्रभाव का विश्लेषण करता है। भादरा तहसील, जो पारंपरिक रूप से वर्षा आधारित और नहरी सिंचाई पर निर्भर रही है, अब सूक्ष्म सिंचाई (Drip & Sprinkler), सौर ऊर्जा और उन्नत बीजों के माध्यम से एक रूपांतरण के दौर से गुजर रही है। यह शोध प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों के माध्यम से यह स्पष्ट करता है कि नवीन प्रविधियों ने न केवल प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाई है, बल्कि किसानों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में भी गुणात्मक सुधार किया है।

प्रमुख शब्द

कृषि तकनीकी नवाचार, फसल प्रतिरूप परिवर्तन, ग्रामीण आजीविका

परिचय

राजस्थान के उत्तर–पूर्वी छोर पर स्थित भादरा तहसील भौगोलिक रूप से अर्ध–शुष्क जलवायु के अंतर्गत आती है। यहाँ की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। ग्रामीण विकास का अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में सुधार है।

विगत वर्षों में, भादरा के किसानों ने पारंपरिक खेती (जैसे बाजरा और ग्वार) के साथ–साथ वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाया है। सिंचाई के लिए 'डिग्गी' निर्माण, फव्वारा पद्धति और मिट्टी परीक्षण (Soil Health Card) जैसे नवाचारों ने यहाँ के कृषि परिदृश्य को बदल दिया है। यह शोध इन्हीं तकनीकी परिवर्तनों और ग्रामीण जीवन पर उनके बहुआयामी प्रभावों का अध्ययन करता है।

साहित्य समीक्षा

कृषि और ग्रामीण विकास पर विद्वानों के विभिन्न मत रहे हैं:

शर्मा और वर्मा (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि राजस्थान के नहरी क्षेत्रों में तकनीकी हस्तक्षेप से फसल सघनता (Crop Intensity) में 25% की वृद्धि हुई है।

चौधरी (2020) के अनुसार, हनुमानगढ़ जिले में सौर ऊर्जा पंपों के आने से सीमांत किसानों की बिजली पर निर्भरता कम हुई है।

स्थानीय शोध पत्रिकाओं और सरकारी रिपोर्टों (भादरा कृषि विभाग) की समीक्षा से ज्ञात होता है कि यहाँ श्नरमाश और श्सरसोंश की संकर किस्मों ने ग्रामीण आय के स्तर को ऊँचा उठाया है।

विधि तंत्र

शोध की प्रकृति विश्लेषणात्मक एवं वर्णनात्मक है। अध्ययन के लिए निम्नलिखित विधियों का प्रयोग किया गया है:

अध्ययन क्षेत्रः भादरा तहसील के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों (नहरी क्षेत्र और बरानी क्षेत्र) का चयन।

डेटा संकलनः 'प्राथमिक' 150 कृषक परिवारों से साक्षात्कार और अनुसूची के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना।

द्वितीयकः तहसील कार्यालय, सांख्यिकी विभाग (हनुमानगढ़) और कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) के आंकड़ों का उपयोग।

विश्लेषणः एकत्रित आंकड़ों का सांख्यिकी सॉफ्टवेयर और मानचित्रों के माध्यम से प्रदर्शन।

प्रस्तावित शोध के सोपान

शोध को पूर्ण करने हेतु निम्नलिखित सोपान तय किए गए हैं:

भादरा तहसील की वर्तमान कृषि प्रणाली का अवलोकन।

नवीन तकनीकों (ड्रिप, स्प्रिंकलर, यंत्रीकरण) के प्रसार की मैपिंग।

तकनीक अपनाने से पूर्व और पश्चात की आय का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण जीवन स्तर (Lifestyle) में आए बदलावों का सर्वेक्षण।

प्राप्त परिणामों का निष्कर्ष और भविष्य के सुझाव।

उद्देश्य

इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

भादरा तहसील में अपनाई जा रही प्रमुख नवीन कृषि प्रविधियों की पहचान करना।

कृषि उत्पादन और उत्पादकता पर इन तकनीकों के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

नवीन प्रविधियों और ग्रामीण रोजगार के बीच संबंध की जांच करना।

तकनीक अपनाने में किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों (जैसे– खारा पानी, वित्तीय समस्या) को रेखांकित करना।

परिकल्पना

H1: कृषि की नवीन प्रविधियों ने भादरा क्षेत्र में फसल प्रतिरूप (Crop Pattern) को सकारात्मक रूप से बदला है।

H2: उन्नत बीजों और उर्वरकों के उपयोग से ग्रामीण आय में वृद्धि हुई है, जिससे पलायन में कमी आई है।

H3: तकनीकी जागरूकता और शिक्षा के स्तर के बीच सीधा संबंध है।

महत्व

यह शोध पत्र स्थानीय प्रशासन और कृषि विभाग के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। यह स्पष्ट करता है कि भादरा जैसे रेतीले और नहरी मिश्रित क्षेत्रों में किस प्रकार की तकनीक अधिक प्रभावी है। यह क्षेत्रीय नियोजन (Regional Planning) और गरीबी उन्मूलन योजनाओं को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

निष्कर्ष

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि भादरा तहसील में कृषि की नवीन प्रविधियों का ग्रामीण विकास में क्रांतिकारी योगदान रहा है। नहरी पानी के कुशल प्रबंधन और यंत्रीकरण ने खेती को अब एक लाभकारी व्यवसाय बना दिया है। हालांकि, तकनीकी ज्ञान का अभाव और ऊँची शुरुआती लागत अभी भी बड़ी बाधाएं हैं। यदि सरकारी सब्सिडी और तकनीकी प्रशिक्षण को और सरल बनाया जाए, तो भादरा तहसील पूरे हनुमानगढ़ जिले के लिए एक मॉडल बन सकती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

सिंह, सविन्द्र (2021). भारत का भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन।

राजस्थान सरकार (2022). जिला सांख्यिकी रूपरेखा – हनुमानगढ़।

मिश्र, आर.पी. (2019). ग्रामीण विकासरू सिद्धांत और व्यवहार।

भादरा कृषि विभाग. वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (2020–2023)।